

22 अक्टूबर, 2025

कार्तिक, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा

संवत् 2082

पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

बुधवार, वर्ष 11, अंक 04

कलम कलम बढ़ाये जा

अंतरराष्ट्रीय खेल
महाकुंभ की
मेजबानी के लिए
राजधानी तैयार

आजाद सिपाही

लोक आस्था के महापर्व के साथ और धारदार होगा बिहार का चुनावी पर्व

■ हर दल आपसी खटास मिटाने में लगे
फोकस सिर्फ और सिर्फ जीत पर

■ महागठबंधन में खींचतान, इंडिया-
एनडीए दोनों में सीएम का चेहरा नहीं

■ बिहार चुनाव में दूसरे चरण के लिए
नामांकन संपन्न, 11 नवंबर को मतदान



आजाद सिपाही संवाददाता

पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव की गहमा-गहमी के बीच लोक आस्था के महापर्व की तैयारियां भी पूरे परवान पर हैं। राज्य के सबसे बड़े लोकपर्व के साथ लोकतंत्र के महापर्व, यानी चुनावी पर्व और धारदार होगा। जैसे चुनावी रणभेरी तो बिहार चुनाव की तारीखों के एलान के बाद ही बज चुकी है। चार दिवसीय छठ पूजा में शामिल होने देश के कोने-कोने से लोग अपने घर आवेंगे और इसी गहमा-गहमी में राजनीतिक दल अपने चुनाव प्रचार को भी धारदार बनावेंगे। इस लिहाज से इस बार का छठ महापर्व धार्मिक आस्था के साथ लोकतांत्रिक आस्था के संगम का सुखद संयोग बन गया है। एक तरफ जहां हर दल आपसी

झारखंड तक में महसूस की जा रही है चुनावी तपिश

चुनाव की राजनीतिक तपिश बिहार से लेकर झारखंड तक है। महागठबंधन में खींचतान जारी है। राजद और कांग्रेस ने 12 सीटों पर एक-दूसरे खिलाफ उम्मीदवार दे दिया है। वहीं, ऐसा पहली बार हुआ है कि इंडिया और एनडीए दोनों गठबंधन में से किसी ने भी मुख्यमंत्री के चेहरे को साफ नहीं किया है। यानी चुनाव नतीजे पर बहुत कुछ निर्भर करता है। उधर, झामुमो ने बिहार की राजनीति का असर झारखंड में भी हो रहा। झामुमो को बिहार चुनाव में गठबंधन में एक भी सीट नहीं मिला। जबकि पार्टी ने छह सीटों पर उम्मीदवार देने की घोषणा कर दी थी। राजनीतिक खींचतान के बीच झामुमो एक भी उम्मीदवार नहीं उतार पाया। झारखंड में भी गठबंधन की गांठ ढीली पड़ रही है। इस बीच सासाराम से झारखंड पुलिस ने राजद के एक उम्मीदवार को गिरफ्तार किया है। इसे भी इसके साथ ही जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि बिहार के सबसे बड़े पर्व छठ होने वाला है। जो सभी राजनीतिक दलों को मतदाताओं को अपने करीब लाने का एक बड़ा मंच होगा। हर दल खटास मिटा कर अपनी जीत सुनिश्चित करने में लगे हैं।

खींचतान को सुलझाने में लगे हुए हैं, उम्मीद जतायी जा रही है कि छठ महापर्व तक सब कुछ ट्रैक पर आ जायेगा और चुनावी

शंखनाद होगा। दूसरे चरण का चुनाव 11 नवंबर को होगा। सोमवार को इसके लिए नामांकन पूरा हो गया।

23 अक्टूबर को होगी तस्वीर साफ समझौता हुआ या नहीं



बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी फेज के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया सोमवार को खत्म हो गयी। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज के चुनाव के लिए कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं। 300 से अधिक प्रत्याशियों के पर्व खारिज हो गये। 61 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिये। 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर 6 नवंबर और दूसरे फेज की 122 सीटों के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा है। दूसरे फेज के प्रत्याशियों की स्थिति 23 अक्टूबर तक साफ होगी। राजद और कांग्रेस जिन सीटों पर आमने-सामने हैं, वहां किसी के प्रत्याशी नाम वापस लेते या नहीं, या 12 सीटों पर आमने-सामने की लड़ाई होगी, यह सब तब तक साफ हो जायेगा।

एनडीए और महागठबंधन ने एक-एक सीट बिना लड़े ही गंवा दी



पटना (आजाद सिपाही) । बिहार चुनाव से पहले ही एनडीए और महागठबंधन ने एक-एक सीट बिना लड़े ही गंवा दी है। पूर्वी चंपारण की सुगौली सीट से मुकेश सहनी की वीआइपी के प्रत्याशी शशि भूषण का नामांकन रद्द हो गया है। बताया जा रहा है नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कुछ तकनीकी खामियां पायी गयी हैं। जिसके चलते नामांकन रद्द कैंसिल किया गया है। बताते चलें कि सुगौली से शशि भूषण राजद के निवर्तमान विधायक हैं। इससे पहले एनडीए की प्रत्याशी सीमा सिंह का मढ़ौरा सीट से नामांकन रद्द हुआ था।

जन सुराज के तीन उम्मीदवार को भाजपा ने जबरन बिठा दिया : प्रशांत किशोर



पटना (आजाद सिपाही) । बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाये हैं। पीके ने कहा कि बिहार चुनाव में सूत्र जैसा कांड रिपीट हुआ है। जिस तरह लोकसभा चुनाव के दौरान सूत्र में भाजपा ने सभी विरोधी उम्मीदवार को बैठा दिया था, उसी तरह बिहार में तीन सीटों पर जन सुराज के उम्मीदवार पर दबाव बनाकर चुनाव लड़ने से रोका गया। उन्होंने कहा कि दानापुर, गोपालगंज और ब्रह्मपुर सीट पर गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य भाजपा नेताओं ने दबाव बनाकर जन सुराज के प्रत्याशियों को नामांकन नहीं करने या नॉमिनेशन वापस लेने के लिए मजबूर किया।

सासाराम से राजद प्रत्याशी को झारखंड पुलिस ने किया गिरफ्तार

गढ़वा पुलिस बिहार से लेकर आयी, न्यायिक हिरासत में भेजे गये

सत्येंद्र साह के विरुद्ध गढ़वा
थाना में वर्ष 2004 में दर्ज
हुआ था डकैती का मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा । गढ़वा पुलिस ने सोमवार को बिहार के सासाराम से महागठबंधन के प्रत्याशी सत्येंद्र साह को गिरफ्तार किया था। उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बिहार पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार करने के बाद स्थानीय पुलिस उसे गढ़वा ले आयी। बताया जाता है कि यह गिरफ्तारी उस समय हुई, जब सत्येंद्र साह बिहार विधानसभा चुनाव के द्वितीय चरण के नामांकन के अंतिम दिन सासाराम में निवासी पदाधिकारी के कार्यालय से राजद प्रत्याशी को धारा 395, 397 एवं नामांकन कर बाहर निकले थे।

सत्येंद्र के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ था

बताया जा रहा है कि सत्येंद्र साह बिहार के रोहतास जिले के करहगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। उनके विरुद्ध 21 वर्ष पुराने मामले में न्यायालय से निर्गत लाल वारंट के तामिला के लिए गढ़वा पुलिस ने रोहतास जिले के करहगर थाना पुलिस के संपर्क में थी। बताया जाता है कि सूचना मिलने के पश्चात सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी की तैयारी में सासाराम में निवासी पदाधिकारी के कार्यालय परिसर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात थी। सासाराम विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को रोहतास जिले के करहगर थाना पुलिस ने उस वक्त दबोच लिया, जब वे नामांकन दाखिल कर बाहर निकल रहे थे। इसके बाद



करहगर थाना पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सत्येंद्र साह को गढ़वा पुलिस को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार सत्येंद्र साह वर्ष 2004 में गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरौंजिया मोड़ पर बैंक की राशि लूटने के एक मामले में आरोपित हैं। उनके विरुद्ध थाना कांड संख्या 320/2004 में आइपीसी की धारा 395, 397 एवं 120 बी के तहत मामला दर्ज है। इस

मामले में वे फरार चल रहे थे। इस मामले में गढ़वा व्यवहार न्यायालय से वर्ष 2018 से ही स्थायी वारंट जारी किया गया था। गढ़वा के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने भी इस मामले की पुष्टि की है।

न्यायिक हिरासत में भेजा गया: गढ़वा पुलिस सत्येंद्र साह को ले कर

आयी। उन्हें अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इधर, गढ़वा में भी इस गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि इस घटना से महागठबंधन को झटका लगा है।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद : बीसीसीआइ ने नकवी को इ-मेल भेजा, ट्रॉफी देने की मांग की

एसीसी चीफ नहीं माने तो
आइसीसी में शिकायत होगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली । बीसीसीआइ ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को इमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं, तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में उठाया जायेगा। बीसीसीआइ सचिव देवजीत सैकिया ने एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। सैकिया ने कहा, हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वो जवाब नहीं देते या कोई निगेटिव



जवाब देते हैं तो एसीसी में शिकायत की जायेगी।

बताते चलें कि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगायम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद

मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आये थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सुर्वकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं।

चौपाटी रेस्टोरेंट मालिक हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई निलंबित पुलिसकर्मी समेत तीन गिरफ्तार

हथियार, दो लाख रुपये
नगद और वाहन बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । रांची पुलिस को धनतेरस की रात चौपाटी रेस्टोरेंट हत्याकांड में बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी अभिषेक सिंह की मुठभेड़ में गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने अब तीन अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया है। जिनमें निलंबित कांस्टेबल हरेंद्र सिंह भी शामिल है। जिसे अपराध में इस्तेमाल हथियार मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस अभियान में हथियारों और पैसों का एक बड़ा खजौरा बरामद किया है। दो पिस्तौल, एक देसी बंदूक, दो दर्जन से ज्यादा जिंदा कारतूस, दो

लाख रुपये नकद और हत्या की कार। हरेंद्र सिंह के घर से एक अवैध राइफल भी बरामद की गयी है। पुलिस ने बताया कि हत्या तीन हमलावरों ने की थी और कर्फे पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी में चार लोगों का नाम दर्ज है। हिरासत में हरेंद्र सिंह, प्रशांत, अभिषेक सिंह का सहयोगी और हरेंद्र का ड्राइवर को लिया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच में पता चला कि हरेंद्र सिंह, जो पुलिस सेवा से निलंबित है और कथित तौर पर जमीन के लेन-देन में फंसा है, का पीड़िता के साथ पैसों को लेकर झगड़ा हो सकता है। उसके खिलाफ पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। अमित नाम का एक और संदिग्ध फरार है। उसकी तलाश जारी है।

लोकपाल ने बीएमडब्ल्यू कार खरीदने के लिए टेंडर निकाला

एक कार की कीमत 70 लाख रुपये से ज्यादा, सात गाड़ियां खरीदेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली । भारत के लोकपाल कार्यालय ने सात हाइ-एंड बीएमडब्ल्यू 330 एलआइ लांग व्हील बेस लज्जरी कार खरीदने के लिए एक सार्वजनिक टेंडर जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कदम भ्रष्टाचार विरोधी संस्था की अपनी प्रशासनिक और लाजिस्टिक व्यवस्था को मजबूत करने का हिस्सा है। टेंडर के अनुसार, हर कार की कीमत 70 लाख रुपये से अधिक है। कुल सात कारों की लागत पांच करोड़ रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह टेंडर 16 अक्टूबर को जारी हुई थी। टेंडर प्रक्रिया सबके लिए



खुली है। लोकपाल ऑफिस ने इच्छुक पक्षों से 7 नवंबर से पहले अपनी बोली जमा करने को कहा गया है। बोली 7 नवंबर से शुरू होगी। कार डिलीवर होने के बाद बीएमडब्ल्यू लोकपाल के ड्राइवरों और स्टाफ को सात दिन की ट्रेनिंग

देगी, जिसमें गाड़ियों के सिस्टम और उनके सही इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी। यह खरीद लोकपाल की परिचालन और प्रशासनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए की जा रही है।

बिहार चुनाव में झारखंड की सबसे बड़ी पार्टी झामुमो को राजद और कांग्रेस ने धोखा दिया

■ जेएमएम ने हर चुनाव में बड़े भाई की भूमिका और गठबंधन धर्म शिद्दत से निभाया

■ जब जेएमएम को जरूरत पड़ी, तो बिहार का बड़ा भाई राजद ‘स्वार्थी चाचा’ निकल गया

■ कांग्रेस को हेमंत ने अपने मजबूत कंधों का सहारा दिया, लेकिन जब कर्ज चुकाने का वक्त आया, तो पीठ दिखा दी

■ यह कैसा गठबंधन धर्म है, जहां हर बार जेएमएम को ही त्याग करना पड़ता है

■ आज के दौर में जहां राजनीति, निजी हितों को साधने के लिए की जा रही हो वहां सीएम हेमंत सोरेन ने गठबंधन धर्म का पालन पूरी इमानदारी से किया है

बिहार विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल करने का समय खत्म हो गया है। झारखंड के पड़ोसी राज्य बिहार का यह चुनाव यदि किसी बात के लिए याद रखा जायेगा, तो वह विपक्षी महागठबंधन में जारी उठापटक और विरोधाभासों के लिए। इसके अलावा बिहार के इस चुनाव में राजनीतिक धोखाधड़ी भी खूब हुई है। खास कर झारखंड की सबसे ताकतवर और सबसे बड़ी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ। जेएमएम ने अपने दो सहयोगियों, कांग्रेस और राजद की धोखाधड़ी से आहत होकर बिहार चुनाव से अलग रहने का फैसला किया है, लेकिन उसका यह फैसला दूरगामी राजनीतिक समीकरणों का संकेत भी देता है। हेमंत

सोरेन के नेतृत्व में जेएमएम ने हमेशा गठबंधन धर्म का इमानदारी से पालन किया और हर मोर्चे पर अपने सहयोगी दलों का साथ दिया, लेकिन इसके बदले में बिहार में इस पार्टी के साथ जो सलूक किया गया है, उससे पूरा झारखंड आहत ही नहीं, गुर्रसे में है। जेएमएम ने बिहार चुनाव से खुद को अलग कर राजद और कांग्रेस को साफ तौर पर संदेश दे दिया है कि अब उसके धैर्य का

बांध टूट सा गया है और गठबंधन धर्म का पालन अकेले उसकी जिम्मेदारी नहीं है। जेएमएम की ताकत आंकनी हो, या यूँ कहें हेमंत सोरेन की ताकत आंकनी हो, तो उनकी यह मात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने सहयोगियों को अपने मजबूत कंधे पर बिठा 2019 और 2024 के विधानसभा चुनाव की नैया पार करा पायी। हेमंत सोरेन की भूमिका सिर्फ चुनाव जिताने में अहम नहीं रही, बल्कि अपने

सहयोगी दलों को मलाइदार मंत्री पद भी दिये। आज के दौर में जहां राजनीति, निजी हितों को साधने के लिए किया जा रहा हो, वहां हेमंत सोरेन ने गठबंधन धर्म का पालन पूरी इमानदारी से किया है। ऐसा कहा देखने को मिलता है। हेमंत सोरेन राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं। वह तुरंत रियेक्ट नहीं करते। लेकिन बात अब स्वाभिमान की है। ऐसा झामुमो का भी मानना है। जाहिर है, जेएमएम के इस फैसले का असर झारखंड की राजनीति पर भी पड़ेगा। बिहार चुनाव से अलग होने के जेएमएम के फैसले का क्या है सियासी कारण और क्या हो सकता है इसका परिणाम, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह**।



अंतिम वक्त तक महागठबंधन ने जेएमएम को उलझाये रखा

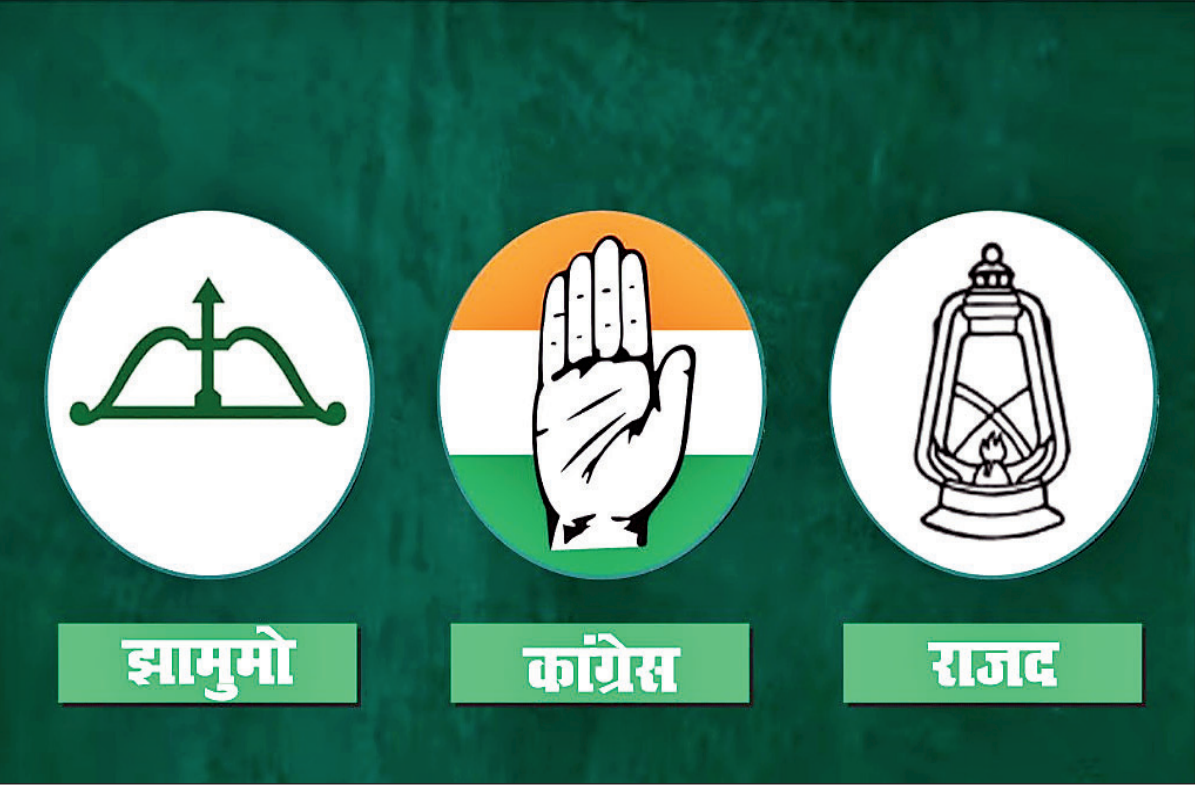
बिहार चुनाव में झारखंड की सबसे बड़ी पार्टी झामुमो को राजद और कांग्रेस ने धोखा दिया है। यह कहना है झामुमो के कद्दावर नेता, झारखंड सरकार के मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू का। वैसे उनका यह कहना कहीं से भी गलत नहीं लगता है। जिस तरह से अंतिम वक्त तक महागठबंधन ने जेएमएम को उलझाये रखा, उससे तो यही लगता है कि महागठबंधन की मंशा ही नहीं थी कि जेएमएम बिहार महागठबंधन का हिस्सा हो। यह जेएमएम के साथ छलावा नहीं तो और क्या है। नामांकन की अंतिम तिथि और अंतिम समय तक महज दो सीटों के लिए महागठबंधन, जो अब महज दिखावे के लिए गठबंधन रह गया है, जेएमएम को आशवासन देने के बावजूद समझौता नहीं किया। समय निकल गया और जेएमएम चुनाव में भाग नहीं ले पाया। जानकारों की मानें तो आखिरी वक्त तक जेएमएम की ओर से यहां तक कहा गया कि इन दोनों सीटों पर राजद अपना प्रत्याशी दे दे और सिंबल जेएमएम का इस्तेमाल कर ले, फिर भी महागठबंधन इस पर राजी नहीं हुआ।

हेमंत सोरेन ने हर मौके पर बड़ा दिल दिखाया

जबसे हेमंत सोरेन ने जेएमएम की कमान संभाली है, हर बार उन्होंने बड़ा दिल दिखाया। गठबंधन धर्म का पालन पूरी शिद्दत से किया। पूरी शालीनता से अपने सहयोगी दलों का सम्मान किया। झारखंड में राजद और कांग्रेस को अपने मजबूत कंधों का सहारा देने के साथ मंत्रिपद की मलाई भी दी। लेकिन जब बिहार में गठबंधन धर्म का पालन करने का वक्त आया, तो राजद वह ‘लालची चाचा’ निकला, जो पिता के जाने या कमजोर होने के बाद संपत्ति हड़प लेता है। राजद ने बिहार में जेएमएम के साथ ऐसा ही छलावा किया। कांग्रेस ने भी वक्त आने पर जेएमएम का साथ नहीं दिया और पीठ दिखा मुंह फेर लिया। यह कैसा गठबंधन धर्म है, जहां हर बार जेएमएम को ही त्याग करना पड़ता है।

क्या हर मौके पर बड़ा भाई ही कुर्बानी देगा

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 2019 और 2024 के झारखंड विधानसभा चुनावों में राजद और कांग्रेस को सम्मानजनक सीटें दी थी। 2019 के विधानसभा चुनाव में राजद को सीट बंटवारे में जेएमएम ने सात सीटें दी थी। इसमें राजद मात्र एक सीट पर चुनाव जीत सका था। बड़ा दिल दिखाते हुए जेएमएम प्रमुख मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रिमंडल में राजद को मंत्री पद दिया था। वहीं कांग्रेस को उस चुनाव में 31 सीटें दी गयी थी, जिसमें उसने 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी। हेमंत सोरेन कैबिनेट में उसके चार मंत्री बनाये गये थे। फिर 2024 के विधानसभा चुनाव में राजद को सीट बंटवारे के तहत छह सीटें मिली थी। राजद ने



चार सीटों पर जीत दर्ज की और हेमंत कैबिनेट में उसे फिर से एक मंत्रिपद हासिल हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस को 30 सीटें दी गयी थी, जिसमें उसने 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी और इस बार भी कांग्रेस के चार मंत्री बनाये गये। यहां समझने वाली बात यह है कि झारखंड में जिन इलाकों में राजद ने जीत दर्ज की, वहां कहा जा सकता है कि राजद का प्रभाव तो है, लेकिन उसकी जीत अकेले की नहीं थी। झारखंड में जो हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन बना था, उसका असर ज्यादा था। यानी यहां भी जेएमएम के प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। कांग्रेस की बात करें, तो 2019 और खासकर 2024 का चुनाव उसने हेमंत सोरेन के मजबूत कंधे के सहारे ही लगा। दोनों चुनावों में उसने 16-16 सीटों पर जीत दर्ज की। इक्का-दुक्का सीटों को छोड़ दिया जाये, तो ज्यादातर सीटों पर जेएमएम, या यूँ कहें हेमंत सोरेन का प्रभाव अधिक था। इन परिस्थितियों का

झारखंड में राजद-कांग्रेस के प्रति रोष

इन दोनों पार्टियों की करतूत से झारखंड के लोगों में रोष है, क्योंकि जेएमएम झारखंड की सबसे बड़ी पार्टी है। क्षेत्रीय पार्टी होने के नाते जेएमएम को जिस प्रकार से बिहार चुनाव में महागठबंधन ने किनारे किया, झारखंड में भी इसका असर देखने को मिलेगा। जिस प्रकार से हेमंत सोरेन बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए झारखंड के चुनावों में गठबंधन धर्म निभाते आये हैं, वह एक मिसाल है। उन्होंने बड़े भाई

होने का अपना कर्तव्य निभाया। लेकिन कहते हैं न कि आदिवासी सीधे होते हैं। उन्हें छलावा नहीं आता। ना ही वह उल्टा-पुल्टा समझते हैं। वे सीधा बोलने में विश्वास करते हैं। हेमंत सोरेन को क्या पता था कि बड़े भाई को हमेशा की तरह कुर्बानी ही देनी पड़ेगी। बिहार में तो बड़े भाई की भूमिका में राजद था, लेकिन राजद वह ‘चाचा’ निकला, जो पिता के जाने या कमजोर होने के बाद संपत्ति हड़प लेता है। राजद ने बिहार में जेएमएम के साथ ऐसा ही छलावा किया। ठीक राजद के छोटे भाई कांग्रेस ने भी वही काम किया।

क्या कहा था सुप्रियो भट्टाचार्य ने

इससे पहले जेएमएम ने महागठबंधन के सामने कुछ सीटों का प्रस्ताव रखा था। उसके बाद जानकारी मिली कि तेजस्वी जेएमएम को मात्र दो सीटें चकाई और कटोरिया दे रहे थे। फिर

जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा गया कि जेएमएम बिहार में छह सीटों पर चुनाव लड़ेगा। उसके बाद महागठबंधन द्वारा राजनीतिक प्रपंच की बातें उठनी शुरू हुईं। सुप्रियो ने कहा कि जिन सीटों पर एनडीए के खिलाफ हमारे कार्यकर्ता लंबे समय से संघर्ष करते आ रहे हैं, वो सीटें हमें मिलनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि, झारखंड में हमने 2019 में भी राजद, कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था। उनको अपनी सीटें दी थी। राजद को तो केवल सीटें ही नहीं दी, बल्कि विजयी उम्मीदवार को पांच सालों तक मंत्री बनाया। यही नहीं, सम्मानजनक तरीके से उनको मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी तमाम यात्राओं, कार्यक्रमों में प्रमुखता से स्थान दिया। 2024 के चुनाव में हम लोगों ने राजद को छह सीटें दी और उनके विजयी एक प्रतिनिधि को अभी के वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया

है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम लोगों ने फैसला किया है कि चकाई, धमधाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैती विधानसभा में प्रत्याशी उतारेंगे। इसमें कटोरिया और मनिहारी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट है और पीरपैती अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। लेकिन जेएमएम को महागठबंधन ने आखिरी समय तक उलझाए रखा और समय भी पार हो गया। नतीजा जेएमएम बिहार चुनाव का हिस्सा नहीं रहा।

दोनों दलों ने राजनीतिक धूर्तता की मिसाल पेश की है: सुदिव्य सोनू

झारखंड सरकार के मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने सोमवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। पार्टी किसी भी सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारेगी और न ही महागठबंधन के किसी दल के पक्ष में प्रचार करने जायेगी। उन्होंने कहा कि झामुमो राजद और कांग्रेस के धोखे का शिकार हुआ है। इन दोनों दलों ने राजनीतिक धूर्तता की मिसाल पेश की है। इसका जेएमएम प्रतिकार करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सीट बंटवारे को लेकर झामुमो को लगातार उलझाये रखा गया और अंतिम समय तक स्पष्ट प्रस्ताव नहीं दिया गया। इससे आहत होकर पार्टी ने चुनावी मैदान से अलग होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि चाहे वह 2014, 2019 या फिर 2024 का झारखंड विधानसभा चुनाव हो, जेएमएम ने राजद को हरसंभव मदद करने की कोशिश की थी। कांग्रेस को भी हरसंभव मदद की गयी थी। झारखंड में झामुमो ने बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए राजद और कांग्रेस को सम्मान दिया, कई सीटें

छोड़ीं। राजद ने 2019 में एक सीट जीती थी, फिर भी उसे एक मंत्री पद दिया गया था। 2024 में चार सीट जीती, दुबारा एक मंत्री पद दिया गया। वहीं कांग्रेस को 2019 और 2024 में चार-चार मंत्री पद दिये गये। सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि गठबंधन धर्म का पालन करना किसी भी राजनीतिक संगठन के लिए बड़ा महत्वपूर्ण होता है। गठबंधन धर्म में दो भाई एक-दूसरे के हितों का ख्याल रखते हैं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में और राजद और कांग्रेस ने तीन सीटें देने का आशवासन दिया था, लेकिन आखिरी वक्त पर इन तीनों सीटों को राजद, कांग्रेस और जदयू ने एक-एक कर बांट लिया और जेएमएम को धोखा मिला। बिहार चुनाव में जो धोखा हमें मिला है, वह निश्चित रूप से झारखंडी भावनाओं को आहत करने वाला है। झारखंडी चेतना को दिया हुआ धोखा झारखंड के लोग नहीं भूलते हैं। हम प्रतिकार करेंगे। जेएमएम इस देश के आदिवासियों की मजबूत आवाज है। आदिवासियों की आवाज को दबाने की कोशिश की गयी है। इसका खामियाजा राजद और कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा। बिहार में झामुमो के साथ राजनीतिक छल किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस निर्णय का असर झारखंड की राजनीति पर भी देखने को मिलेगा और बहुत जल्द पार्टी इस मामले में आगे की रणनीति तय करेगी। मंत्री ने कांग्रेस पर यह भी आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण पार्टी होने के बावजूद उसने न तो मध्यस्थता की और न ही स्पष्ट रुख अपनाया। मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि राजद और कांग्रेस दोनों ही समान रूप से दोषी हैं। जाहिर है झामुमो के इस फैसले ने न केवल बिहार चुनाव में महागठबंधन के समीकरणों को प्रभावित किया है, बल्कि झारखंड की राजनीति में भी नये सियासी तनाव के संकेत दे दिये हैं।

घाटशिला उपचुनाव में नामांकन की प्रक्रिया समाप्त : 17 प्रत्याशी चुनावी मैदान में, अंतिम दिन 6 लोगों ने भरा पर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता
घाटशिला । जमशेदपुर के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर तैयारी तेज है। मंगलवार को नामांकन की प्रक्रिया समाप्त हो गयी। मंगलवार को कुल 6 लोगों ने नामांकन दाखिल किया। इसमें निर्दलीय प्रत्याशी मनोज कुमार सिंह, विक्रम किस्कू, रामकृष्ण कांति महाली, बसंत कुमार टोपनो, रामदास मुर्मू ने



नामांकन किया। इसके अलावा जेलकेएम प्रत्याशी के रूप में निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया। मंगल मुर्मू ने राष्ट्रीय सनातन पार्टी प्रत्याशी के रूप में निवाची

पदाधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया। इस तरह कुल 17 लोग चुनावी मैदान में अब डट गये हैं। 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 24 अक्टूबर तक नाम वापसी की अंतिम तिथि है।

नामांकन करने वालों की सूची	
■ परनेश्वर टुडू, निर्दलीय	पंचालन सोरेन, भारत आदिवासी पार्टी (बीपी)
■ श्रीलाल किस्कू, निर्दलीय	■ मालवी टुडू, निर्दलीय
■ बाबूलाल सोरेन, भाजपा	■ दुखीराम माई, आपकी विकास पार्टी
■ सोमेश चंद सोरेन, झामुमो	■ बसंत कुमार टोपनो, निर्दलीय
■ पार्टीती हांसदा, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)	■ रामदास मुर्मू, जेलकेएम
■ मनसा राम हांसदा, निर्दलीय प्रत्याशी	■ मंगल मुर्मू, राष्ट्रीय सनातन पार्टी
■ नारायण सिंह, निर्दलीय प्रत्याशी	■ मनोज कुमार सिंह, निर्दलीय
■ विकास हेन, निर्दलीय	■ विक्रम किस्कू, निर्दलीय
	■ रामकृष्ण कांति महाली, निर्दलीय

पहले लोग शाम को घर से बाहर निकलने में डरते थे, आज पूरे बिहार में कोई भय में नहीं : नीतीश

आजाद सिपाही संवाददाता
मुजफ्फरपुर। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार चुनाव को लेकर मंगलवार को मुजफ्फरपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने यहां अपने 20 साल के कार्यकाल के बारे में लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि पहले लोग शाम को घर से बाहर निकलने में डरते थे। आज पूरे बिहार में कोई भय में नहीं रहता है। नीतीश कुमार ने कहा, हमारी



सरकार लगातार 20 वर्षों से विकास के कामों में लगी हुई है, लेकिन हम लोगों के पहले जो सरकार थी, उसकी क्या शक्ति थी, वो याद कीजिए। शाम के

समय के बाद लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में कितना विवाद था। शिक्षा की भी यही स्थिति थी। सड़कें बहुत कम थीं और बिजली भी बहुत कम घरों में थी। लेकिन जब हमें मौका मिला, तो हमने सभी लोगों के लिए काम किया। अब किसी प्रकार के डर या भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाइचारे और शांति का माहौल है।

9 दिन से लापता नाबालिग का शव बिहार से बरामद हत्या की आशंका

हरिहरगंज (पलामू) (आजाद सिपाही)। सलैया पंचायत के पचमो गांव निवासी 12 वर्षीय नीरुज कुमार का शव लापता होने के नौ दिन बाद गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र से बरामद हुआ। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। नीरुज 12 अक्टूबर को मझिगवां बाजार गया था और वापस नहीं लौटा। सोमवार शाम जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से उसका शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, हाथ-पैर बंधे थे और शव पत्थरों के बीच छिपाया गया था, जिससे हत्या की आशंका है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। शव को पोस्टमार्टम के लिए गया मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस मामले की गंभीर जांच में जुटी है।



युवा समाजसेवी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया उद्घाटन



फोटो:-सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते युवा समाजसेवी आजाद सिपाही

हुसैनाबाद। श्री श्री लक्ष्मी पूजा समिति नौजवान एकता क्लब लोहबंधा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को मुखिया पति सह युवा समाजसेवी शिव शंकर यादव ने फीता काटकर उद्घाटन किया। मौके पर युवा समाजसेवी श्री यादव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से सामाजिक समरसता बढ़ती है और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि पर्व व उत्सव

लोगों में उत्साह का संचार करता है। इसलिए हर पर्व को प्रेम व सौहार्द पूर्वक मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपो के इस पावन पर्व पर हर घर में उजाला बनी रहे यही हमारी कामना है। मौके पर क्लब के अध्यक्ष दशरथ यादव, सचिव रमेश यादव, स्वयं सेवक उषेंद्र यादव, लखन यादव, संतेंद्र यादव, ललन यादव, मिथलेश यादव, जितेंद्र यादव, संजय यादव, मंगर भुईयां, जितेंद्र परहिया,सुरेश यादव, महेंद्र यादव, रामप्यारी भुईयां समेत काफी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु उपस्थित थे।

देवरी ओपी पुलिस ने अभियान चलाकर अवैध देशी शराब किया नष्ट



अवैध शराब विनष्ट करती देवरी ओपी पुलिस।

आजाद सिपाही संवाददाता
हुसैनाबाद। हुसैनाबाद के देवरी ओपी पुलिस ने अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया। इस संबंध में देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि देवरिकला, पूर्णाईहा और बलीबीचा में छापेमारी की गयी। जिसमें अवैध देशी शराब बनाने हेतु फुलाए गये जावा महुआ करीब 400 किलो, और 9 लीटर देशी शराब एवं देशी शराब शराब

बनाने के उपकरण को उसी जगह पर विनष्ट किया गया। जिसकी अनुमानित मूल्य 22, 225 रुपये है। उन्होंने बताया कि बिहार चुनाव व पर्व त्योहार को देखते हुए कुछ दिनों से लगातार छापेमारी चल रही है। पूर्व में कई शराब कारोबारियों को जेल भेजा गया है और शराब विनष्ट किया गया है। ग्रामीण इलाकों में छिपकर रखी अर्धनिर्मित शराब और भंडियों को भी नष्ट किया गया है।

पुलिस संस्मरण दिवस : पुलिस लाइन ग्राउंड में शहीद जवानों को आइजी और एसपी ने श्रद्धांजलि अर्पित दी



आजाद सिपाही संवाददाता
मेदिनीनगर। पुलिस केंद्र ग्राउंड में मंगलवार को पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर पलामू के जोनल आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन और आईआरबी 10 समादेश द्वारा शहीद जवानों को

नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और शहीदों के परिजनों से मुलाकत कर उनकी समस्याएं सुनी गयी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर सभी शहीदों के अदय्य साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया। इस दौरान सदर

एसडीपीओ मणीभूषण प्रसाद, डीएसपी राजीव रंजन, राजेश कुमार समेत आईआरबी-10 से संतोष साह, हरेंद्र सिंह, हवलदार आशीष कुमार, राकेश मंडल, सुनिल सिंह, आरक्षी राहुल कुमार दांगी, अनुज प्रसाद, रजनीश दुवे, रवि रंजन सिंह और अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

संस्मरण दिवस पर शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि
मधुपुर (आजाद सिपाही)। राजकीय रेल पुलिस मधुपुर ने मंगलवार को शहीद संस्मरण दिवस मनाया। मौके पर रेल थाना प्रभारी कार्तिक महतो ने कक्षा में आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए 10 शुरवीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, इसमें झारखंड के दो वीर जवान ठाकुर हेब्रम और शंकर नायक थे। मौके पर एसआई प्रेम टोप्पो, एसआई दिवाकर चौधरी, एसआई अवधेश राय, हवलदार रामानंद कुमार, पुनेंद्र उराव, आरक्षी सुरेश मंडल आरक्षी रहबरे इस्लाम बेग, समेत जीआरपी के जवान मौजूद थे।



कटकोमा में युवक पर जानलेवा हमला मोबाइल और दस हजार की लूट

हमलावरों ने पीड़ित की ट्रैक्टर गाड़ी को नहर में धकेल दिया और मौके से फरार हो गये

आजाद सिपाही संवाददाता
हरिहरगंज/पलामू। थाना क्षेत्र के कटकोमा गांव स्थित नहर के नौलखा पुल के पास बीते रविवार की रात एक युवक पर चार अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक बुरी तरह घायल हो गया, जबकि आरोपियों ने उसका मोबाइल और दस हजार नकद लूटकर मौके से फरार हो गये। घटना रविवार रात लगभग 8 बजे की है। पीड़ित वीरेंद्र यादव (उम्र 30 वर्ष), पिता स्व. रामचंद्र यादव, ग्राम महुअरी टोला ठेकही, थाना नौडीहा बाजार, जिला पलामू निवासी हैं। वह हरिहरगंज क्षेत्र के एक ईंट भट्टे से ट्रैक्टर लेकर लौट रहा था, तभी कटकोमा नहर के समीप पहले से घात लगाये चार



नहर में धंसा ट्रैक्टर और घायल युवक।

युवकों ने गाड़ी रोककर उन्हें नीचे उतारा और बेरहमी से पिटाई की। पीड़ित वीरेंद्र यादव के अनुसार, हमलावरों ने उनका गला दबाने के भी कोशिश की और जब में रखे दस हजार नकद तथा मोबाइल फोन छीन लिया। इस दौरान पीड़ित ने एक हमलावर का गमछा खींच लिया, जिससे उसकी पहचान अपने ही गांव के युवक अनिल यादव (उम्र 27 वर्ष, पिता सुखदेव यादव) के रूप में हुई। बाकी तीन हमलावरों की पहचान

अभी नहीं हो सकी है। हमलावरों ने पीड़ित की ट्रैक्टर गाड़ी को नहर में धकेल दिया और मौके से फरार हो गये। किसी तरह जान बचाकर वीरेंद्र यादव पश्चा ओपी पहुंचे और घटना की लिखित शिकायत पुलिस को सौंपी। इस संबंध में पुनि सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय है।

देवघर : सदर अस्पताल में फैले भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ आजसू नेता आदर्श लक्ष्य ने आरटीआइ दाखिल किया

आजाद सिपाही संवाददाता
देवघर। देवघर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति और सदर अस्पताल में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के विरोध में आजसू पार्टी के देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 (आरटीआई) के तहत एक आवेदन देवघर के सिविल सर्जन कार्यालय में दाखर किया है। इस आरटीआई आवेदन के माध्यम से आदर्श लक्ष्य ने अस्पताल प्रशासन से दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, मानव संसाधन, सफाई व्यवस्था, स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन और भ्रष्टाचार जांच से जुड़ी 10 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी मांगी है। आरटीआई में उन्होंने यह पूछा



है कि अस्पताल में कौन-कौन सी दवाइयां उपलब्ध हैं, कौन सी दवाएं मरीजों को बाहर से खरीदनी पड़ती हैं, कितने डॉक्टर, नर्स और तकनीशियन वर्तमान में कार्यरत हैं, तथा कितने पद रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल में चल रही सरकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत और जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों की जानकारी भी मांगी है। साथ ही उन्होंने सफाई व्यवस्था, मशीनों की कार्यशीलता,

खरखाव, मरीजों की संख्या, और पिछले तीन वर्षों में अस्पताल से जुड़ी शिकायतों एवं उन पर की गयी कार्रवाई का विवरण भी सार्वजनिक करने की मांग की है। आदर्श लक्ष्य ने कहा, 'देवघर सदर अस्पताल में लंबे समय से मरीजों के शोषण, दवाओं की कालाबाजारी, मशीनों के बंद रहने और इलाज में लापरवाही की शिकायतें आ रही हैं। जनता को यह जानने का अधिकार है कि सरकारी धन और संसाधनों का उपयोग कहाँ और कैसे हो रहा है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर मांगी गई जानकारी अधूरी या असंतोषजनक दी गई, तो वह इसकी शिकायत राज्य सूचना आयोग तक करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर जन आंदोलन के माध्यम से भी आवाज उठावेंगे।

देवघर के तीर्थयात्रियों का जत्था पहुंचा बर्दीनाथ, भागवत कथा शुरू

देवघर के पंडित भोला मिश्र कर रहे कथा का वाचन
टोली में देवघर के 75 पुरूष और महिलाएं हैं शामिल



आजाद सिपाही संवाददाता
देवघर। तीर्थाटन पर निकले देवघर के तीर्थयात्रियों का जत्था बर्दीनाथ पहुंच गया है। वहां दीपावली के दिन से सात दिवसीय भागवत हो रहा है। देवघर के पंडित भोला मिश्र भागवत कथा का वाचन कर रहे हैं। तीर्थ यात्रियों की टोली में देवघर के 75 पुरूष और महिलायें शामिल हैं। यह टोली 7 नवंबर को संयोजक मनोज मिश्र के नेतृत्व में निकली है, जो हरिद्वार, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री होते हुए बर्दीनाथ पहुंची है। बर्दी विशाल में बेरीवाला अतिथि भवन में बैद्यनाथधाम मातृ

देवघर में विश्व आयोडीन न्यूनता विकार दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता
देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देशानुसार विश्व आयोडीन न्यूनता विकार दिवस के अवसर पर देवघर में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच आयोडीन युक्त नमक के उपयोग के महत्व और आयोडीन की कमी से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना था। रैली की शुरुआत जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संचयन एवं डीपीसी प्रवीण सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं, सहिया, एएनएम प्रशिक्षुओं तथा



अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर 'आयोडीन युक्त नमक अपनाने – स्वस्थ जीवन पाएं', 'हर घर में आयोडीन नमक - गोइटर से बचाने का एकमात्र उपाय' जैसे नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर डीपीसी प्रवीण सिंह ने बताया कि आयोडीन शरीर के लिए एक आवश्यक तत्व है, जो थायरॉयड ग्रंथि के सुचारु कार्य के

लिए जरूरी होता है। आयोडीन की कमी से मानसिक विकास में रुकावट, बहरापन, मंदबुद्धि तथा घेंघा जैसी गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों में केवल आयोडीन युक्त नमक का ही प्रयोग करें। रैली के अंत में सभी प्रतिभागियों ने आयोडीन युक्त नमक के नियमित उपयोग की शपथ ली और इस जनजागरूकता अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

